जो खाली झोली लै आवे ओहदी भरपूर करदा है

जो खाली झोली लै आवे ओदी भरपूर करदा है....

जिनां सतगुरु मनाया है, ओहदा रब रूस नहीं सकदा,
जो है मंजूर सतगुरु नूँ, ओ रब मंजूर करदा है,
जो खाली झोली लै आवे.....

सिधक वालों जरुरी नहीं कि हर एक मांग होवे पूरी,
जो है सुखदायी गुरुमुख लई ओं पूरी जरुर करदा है,
जो खाली झोली लै आवे.....

खोटे सिक्के वी चल जाँदे तेरे दरबार ते आकें,
नजर मेहरां दी जद पावे ओ नूरों नूर करदा है,
जो खाली झोली लै आवे.....

दुखां नूँ आन नहीं देंदा सुखां नूँ जान नहीं देंदा,
मगर सेवक दे हर कारज ऐ पूरे जरूर करदा है,
जो खाली झोली लै आवे.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32771/title/jo-khali-jholi-le-aave-ohdi-bharpur-karda-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |